



HargharPanditji

॥ श्री यमुना जी की संपूर्ण पूजा-विधि ॥
॥ ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं कालिन्द्यै देव्यै नमः ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ श्री यमुना जी की संपूर्ण पूजा-विधि ॥

श्री गणेश वंदना

वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ।
निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा॥

पूजा का शुभ समय

प्रतिदिन प्रातःकाल ब्रह्ममुहूर्त या सूर्योदय के बाद।
विशेष रूप से यमुना जयंती, भैया दूज, कार्तिक मास, अक्षय तृतीया,
पूर्णिमा, एकादशी तथा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर।
यदि यमुना तट पर पूजा संभव हो तो अत्यंत शुभ माना जाता है, अन्यथा
घर में यमुना जी के चित्र या श्रीराधा-कृष्ण के साथ यमुना महारानी के
चित्र के समक्ष पूजा की जा सकती है।

पूजा सामग्री

श्री यमुना जी का चित्र या प्रतिमा, स्वच्छ जल (यदि संभव हो तो यमुना
जल, पीला या नीला वस्त्र, चंदन
कुमकुम एवं अक्षत (चावल), पुष्प एवं पुष्पमाला
तुलसी दल, धूप एवं दीप, घी का दीपक
नैवेद्य (माखन, मिश्री, दूध, दही, फल, मिठाई)
पंचामृत, मौसमी फल, दक्षिणा (यथाशक्ति)
आरती की थाली

पूजा-विधि

1. शुद्धिकरण

स्नान करके स्वच्छ वस्त्र धारण करें। पूजा स्थान को स्वच्छ करें और पूर्व
या उत्तर दिशा की ओर मुख करके आसन ग्रहण करें।

2. दीप प्रज्वलित करें

घी का दीपक जलाकर धूप अर्पित करें।

3. गणेश पूजन

भगवान श्रीगणेश का ध्यान कर पूजा प्रारंभ करें।

4. संकल्प

अपने दाहिने हाथ में जल, अक्षत और पुष्प लेकर संकल्प करें—
"मैं (अपना नाम) श्रद्धा एवं भक्ति के साथ श्री यमुना महारानी की पूजा
कर रहा/रही हूँ। हे माता! कृपा करके मेरे परिवार पर अपनी कृपा बनाए
रखें तथा धर्म, स्वास्थ्य, सुख, समृद्धि और श्रीराधा-कृष्ण भक्ति का
आशीर्वाद प्रदान करें।"

5. ध्यान

श्यामवर्णां च सुशोभां सूर्यपुत्रीं मनोहराम्।
श्रीकृष्णचरणासक्तां कालिन्दीं प्रणमाम्यहम्॥

आवाहन मंत्र

ॐ यं यमुनायै नमः।
आवाहयामि, स्थापयामि, पूजयामि नमः॥

पूजन क्रमशः निम्न अर्पित करें—

आसन, पाद्य, अर्घ्य, आचमन, स्नान (मानसिक रूप से)
वस्त्र, चंदन, अक्षत, पुष्प, तुलसी, धूप, दीप
नैवेद्य, फल, दक्षिणा

प्रत्येक अर्पण के साथ बोलें—

ॐ यं यमुनायै नमः।

मंत्र-जप

मूल मंत्र
ॐ यं यमुनायै नमः॥
108 बार जप करें।

या
यमुना गायत्री
ॐ कालिन्द्यै च विद्महे।
सूर्यपुत्र्यै धीमहि।
तन्नो यमुना प्रचोदयात्॥

स्तोत्र-पाठ

श्री यमुना चालीसा
श्री यमुनाष्टकम् (श्रीवल्लभाचार्य विरचित)
श्री यमुना स्तुति
श्री यमुना कवच

आरती
"ॐ जय यमुना माता..." आरती श्रद्धापूर्वक करें।

प्रदक्षिणा
यथाशक्ति 3 या 7 बार प्रदक्षिणा करें।

क्षमा प्रार्थना
अपराधसहस्राणि क्रियन्तेऽहर्निशं मया।
दासोऽयमिति मां मत्वा क्षमस्व परमेश्वरि॥

प्रसाद वितरण
भगवान् को अर्पित नैवेद्य सभी परिवारजनों में प्रसाद स्वरूप वितरित करें।

पूजा का आध्यात्मिक महत्व

श्रीकृष्ण एवं श्रीराधा की कृपा प्राप्त होती है।
मन, वचन और कर्म की शुद्धि होती है।
पापों का क्षय एवं पुण्य की वृद्धि होती है।